ment for establishing joint ventures for automotive equipment, steel plates and small industrial magnets; and

(b) if so, what is the outcome of the negotiation?

THE MINISTER OF COMMERCE AND TOURISM (SHRI ARUN KUMAR NEHRU): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Trade union Leaders' Meeting with Finance Minister

2031. DR. RATNAKAR PANDEY: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether at a meeting of Trade Union leaders with him on February 7, 1990 held at New Delhi, it was pointed out that the Sick Industrial Companies Act, 1985, had failed to prevent sickness of industries and on the other hand proivded incentives to industries going sick; and

(b) if so, what modifications are contemplated to check this trend?

THE MINISTER OF FINANCE (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) and (b) It is a usual practice with the Finance Minister to hold Pre-Budget Meetings with various agencies where a number of suggestions are made. One such meeting was taken by the Finance Minister also with Trade Union Leaders on 7th of February, 1990. In this meeting various suggestions were made.

The problems of sick units and measures for their rehabilitation are kept under review by RBI & Govt. on an on-going basis.

चाय के उत्पादन में कमी

2032. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1988 के वर्ष के दौरान हुए चाय के उत्पादन की तुलना में वर्ष 1989 के दौरान इसका उत्पादन लगभग 11 मिलियन कि० ग्रा० कम होने का अनुमान है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि देश में चाय की वार्षिक खपत में लगभग 3.5 प्रतिशत की दर से वृद्धि हो रही;

(ग) क्या यह भी सच है कि पिछले वर्ष के दौरान घरेलू बाजार में चाय के मूल्यों में भारी वृद्धि हुई थी ;

(घ) यदि हां, तो यह वृद्धि कितने प्रतिशत की थी; और

(ङ) क्या सरकार ने चाय के मूल्यों में पुनः कमी लाने तथा इसका उत्पादन बढ़ाने के लिए कोई कारगर योजना बनाई है, और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य और पर्यटन मंत्री (श्री अरुण कुमार नेहरू) : (क) और (ख) चाय बोर्ड द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1989 के दौरान भारत में चाय का उत्पादन वर्ष 1988 के दौरान हुए उत्पादन की तुलना में लगभग 17 मिलियन किग्रा० कम होने का अनुमान है । पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में चाय की आन्तरिक खपत से पता लगता है कि खपत में प्रतिवर्ष लगभग 16 मिलियन किग्रा० वृद्धि हुई है । घरेलू खपत का अनुमानित स्तर वर्ष 1988 के दौरान 462 मिलियन किग्रा० की तुलना में वर्ष 1989 के दौरान 478 मिलियन किग्रा० था।

(ग) से (ङ) वर्ष 1987 के आरम्भ से ही भारत द्वारा की जाने वाली निलामियों में चाय की कीमतें बढ़ी है । विदेश स्थित नीलामी केन्द्रों में भी इसी प्रवत्ति की पुष्टि हुई है । वर्ष 1988 के दौरान चाय की कीमतों में हुई वृद्धि की तुलना में वर्ष 1989 के दौरान चाय की कीमतें लगभग 50% बढ़ी हैं । चाय की कीमतें में हुई वृद्धि को देखते हुए सरकार ने निम्नलिखित उपाय किये हैं ।

(1) सितम्बर, 1989 के अन्तिम सप्ताह से बारी-बारी से होने वाली सार्वजनिक नीलामियों में चाय की सी टी सी किस्म की बिक्री घरेलू क्रेताओं के लिए प्रतिबन्धित कर दी गई है।

(2) घरलू बिक्री के लिए नीलामी से वापसी की अनुमति नहीं दी जाती है । इससे घरेलू क्रेताओं के लिए सी टी सी की उपलब्धता में वृद्धि होती है ।

(3) उत्पादक विशेष फुटकर दुकानों के जरिए 40 रुपए में जिसमें स्थानीय कर जोड़ें जाते हैं, किफायती डिब्बे सप्लाई करते रहे हैं । इसके अतिरिक्त खुली चाय के व्यापारियों ने 45 रुपए प्रति किग्रा० जिसमें स्थानीय कर जोड़े जाते हैं, की दर पर खुली चाय नागरिक को देना भी आरम्भ कर दिया है ।

(4) वाणिज्य मंत्रालय के विशेष सचिव की अध्यक्षता में एक समिति समय-समय पर कीमत-स्थिति की पुनरीक्षा करती है ।

(5) प्रमुख चाय उत्पादक कंपनियों ने वर्ष 1990 में बढ़े हुए उत्पादन के लिए कार्य योजनाएं तैयार कर ली हैं ।

Manufacture of milk products by small entrepreneurs

2033. SHRI RAM AWADHESH SINGH: Will the Minister of FOOD PROCESSING INDUSTRIES be pleased to state:

(a) whether Government are aware that many small dairy technology qualified entrepreneurs have been denied permission to set up milk producing units whereas giants like Nestles have been permitted to expand;

(b) whether Government are aware that some years back Nestles had provided know-how and also machinery for Chocolate manufacture to Amul;

(c) whether it is a fact that Nestles were permitted to expand on account of their close association with NDDB, Chairman; and

(d) if so, whether Government propose to permit small entrepreneurs to manufacture milk products?

THE MINISTER OF TEXTILES WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI SHARAD YADAV): (a) to (d) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Performanhce of Lok Adalats in States

2034. SHRI P. N. SUKUL: Will the Minister of LAW AND JUSTICE be pleased to state:

(a) which are the States where Lok Adalats have been set up;

(b) whether a review of their working has been undertaken so far; and

(c) whether it is proposed to expand the scope of the Lok Adalats and also to set up such Adalats in other States?

THE MINISTER OF ENERGY WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI ARIF MOHD. KHAN): (a) Lok Adalats have been organised in the States of Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Goa, Gujarat, Haryana, Karnataka, Kerala, Madhya Pradesh, Maharashtra, Manipur, Meghalaya, Orissa, Rajasthan, Sikkim, Tamil Nadu, Tripura, Uttar Pradesh, West Bengal and Union territories of Chandigarh, Delhi and Pondicherry.